

मंगलवार को सीएम हेमंत सोरेन से मिले आमजन, दी बधाई



मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय परिसर में राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंचे लोगों ने मुलाकात कर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मैके पर मुख्यमंत्री ने सभी के प्रति आभार और धन्यवाद व्यक्त किया।

जीवन में नैतिकता और इमानदारी के लिए बुद्ध का दर्शन हमेशा प्रासारिक : डॉ रामेश्वर

आजाद सिपाही संचादाता

रांची। झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव एवं पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे ने मंगलवार को डोरंडा नेपाल हाउस स्थित भगवान बुद्ध के मंदिर पहुंचे एवं भगवान बुद्ध के दर्शन किया, राज्य की खुशहाली, तरकीकों के लिए प्रार्थना की। इस मौके पर लोटानागर बौद्ध सोसाइटी के अध्यक्ष एवं उसके तमाम ने स्वागत किया एवं डॉ रामेश्वर उरांव को भगवान बुद्ध के पासंदीदा खादा भेंट कर अभिनंदन किया। इस मौके पर झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री डॉ

सहयोग और सामाजिक न्याय का संदेश देता है बुद्ध का दर्शन, वर्तमान परिस्थिति वें झारखंड के लिए बुद्ध का दर्शन प्रासारिकः आलोक दुबे

झारखंड की खुशहाली और तत्काली के लिए डॉ रामेश्वर उरांव ने डोरंडा नेपाल बाहुस्थित बुद्ध के मंदिर में भगवान बुद्ध का दर्शन किया



बुद्ध का दर्शन समाज में करुणा देवी की बुद्धि करता है और जीवन में नैतिकता और इमानदारी की शिक्षा देता है। पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे ने इस अवसर पर बताया कि दर्शन बहुत ही प्रासारिक है क्योंकि समाज में सहयोग और सामाजिक न्याय का संदेश देता है बुद्ध का दर्शन।

विश्व एडस दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया



रांची (आजाद सिपाही)। मंगलवार को रामेश्वरा कॉलेज अफ एजुकेशन, चूपाठू, रामगढ़ की एनएसएस इकाई द्वारा गिरिजा इंस्टीट्यूट अफ बर्सिंग रामगढ़ के सहयोग से विश्व एडस दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत पोस्टर में ग्राफिक प्रतियोगिता, नुक़्बड़ नाटक, विशेष व्याख्यान तथा जागरूकता रीती का आयोजन किया गया। विशेष व्याख्यान देते हुए गिरिजा इंस्टीट्यूट ऑफ बर्सिंग की व्याख्यानी भवित्वात् विद्युतीय व्याख्यानों ने एडस महानारायणी के बारे में विस्तारपूर्ण और बचाव के उपाय के बारे में मेडिकल तथ्यों के साथ जागरूक किया। प्राचीयां जीवनी के लिए एडस कार्यक्रम में प्रशिक्षणों को संबंधित करते हुए एडस एक गंभीर रोग है, जिसके कारण हास्पात दुनियाभर में लाखों लोगों की मौत हो जाती है। आलोक दुबे के अंतर्गत साल 2023 में दुनियाभर में एवंआईडी से संबंधित वीमार्यों से लगभग 6.30 लाख लोगों की मौत हो गयी। विश्व एडस दिवस हर साल 1 दिसंबर को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य एडस के बारे में जागरूकता फैलाना और एडस पीड़ितों की अधिकारों की छापा करना है। इस अवसर पर विभागाधार्य डा अवधि किया गया। विश्व एडस दिवस हर साल एडस महानारायणी के लिए एडस कार्यक्रम का अधिकारी एवं संस्थानी अधिकारी ने एडस महानारायणी के अधिकारी एवं संस्थानी अधिकारी की छापा किया।

50 दिव्यांगजनों के बीच सामग्री का वितरण



रांची (आजाद सिपाही)। मंगलवार को सेल-आरडीसीआईएस रांची ने अंतर्राष्ट्रीय विकालांगता दिवस के उपलक्ष पर नामकृत प्रखंड के कुटियातु पंचायत भवन में 50 दिव्यांगजनों तथा वरिष्ठ नागरिकों को हील चेयर, हील चेयर कंपोनेंट, वैकर, बुकर, कंपर, कार बैटर, सिलिंगन कुस्ती के लिए विकालांगता एवं अन्य विकालांगता के लिए विकालांगता के अधिकारी एवं संस्थानी अधिकारी ने एडस एवं संस्थानी अधिकारी की छापा किया। इस मौके पर सेल-आरडीसीआईएस ने यह आयोजन अपेक्षा सीएसआर योजना के तहत एलीमेंटों के साथ निलालकर किया। इस मौके पर सेल-आरडीसीआईएस ने यह आयोजन अपेक्षा सीएसआर योजना के अंतर्गत एलीमेंटों के साथ निलालकर किया। इस मौके पर सेल-आरडीसीआईएस एवं सीएसआर योजना के लिए विकालांगता के अधिकारी एवं संस्थानी अधिकारी की छापा किया। इस मौके पर सेल-आरडीसीआईएस ने यह आयोजन अपेक्षा सीएसआर योजना के अंतर्गत एलीमेंटों के साथ निलालकर किया। इस मौके पर सेल-आरडीसीआईएस ने यह आयोजन अपेक्षा सीएसआर योजना के अंतर्गत एलीमेंटों के साथ निलालकर किया।

दुमरी विधायक जयराम महतो आतिशबाजी में झूलासे, इलाज कराने आये रांची

रांची (आजाद सिपाही)। दुमरी विधायक जयराम महतो आतिशबाजी में झूलास गये हैं। वेहरत इलाज के लिए वे रोकी आ गये हैं। जानकारी है कि अनुसारा, यह घटना एक दिसंबर की है। जब वे बैठकों में शरिक होने का रोक था। इस दीर्घांडा में स्थित बाबा तिलक ने इन्हें उनकी प्रतिमा पर माल्यांपण किया। इस दीर्घांडा के समर्थकों आतिशबाजी कर रहे थे। पटाखा जयराम महतो के एकदम समाने फट गया, जिससे वे झूलास गये।

दिव्यांग दिवस पर मैत्री फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

आजाद सिपाही संचादाता

रांची। सरल बिरला पब्लिक स्कूल, रांची ने अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर विद्यालय परिसर में एक मैत्री फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में दो एवं वीरा नीरजी का विकालांग नेटवर्क के लिए एडस दिवस के लिए एक विद्यालय का दर्शन बहुत ही प्रासारिक है क्योंकि समाज में सहयोग और सामाजिक न्याय का संदेश देता है बुद्ध का दर्शन।



आयोजित के रूप में तथा एसओबी समाजों के विद्यालय के लिए एडस दिवस के लिए एक विद्यालय का दर्शन बहुत ही प्रासारिक है क्योंकि समाज में सहयोग और सामाजिक न्याय का संदेश देता है बुद्ध का दर्शन।

छात्रों को अधिक जिम्मेदार और संवेदनशील व्यक्ति बनने की प्रेरणा दी। प्राचार्य परमजीत कौर ने छात्रों से अग्रह किया कि वे इस दुनिया को सभी के लिए एक सुरक्षित और संघर्षित करने के लिए एक विद्यालय का दर्शन बहुत ही प्रासारिक है। इस कार्यक्रम की शुरूआत में अग्रह किया कि वे इस दुनिया को सभी के लिए एक सुरक्षित और संघर्षित करने के लिए एक विद्यालय का दर्शन बहुत ही प्रासारिक है। इस कार्यक्रम की शुरूआत में अग्रह किया कि वे इस दुनिया को सभी के लिए एक सुरक्षित और संघर्षित करने के लिए एक विद्यालय का दर्शन बहुत ही प्रासारिक है। इस कार्यक्रम की शुरूआत में अग्रह किया कि वे इस दुनिया को सभी के लिए एक सुरक्षित और संघर्षित करने के लिए एक विद्यालय का दर्शन बहुत ही प्रासारिक है।

हाइकोर्ट ने पूछा वकीलों के लिए अनुदान स्वीकृत 9 करोड़ कब जारी किया जायेगा

रांची (आजाद सिपाही)। अधिकारी दिल्ली पब्लिक स्कूल, रांची में सीबीएसडी हेरिटेज इंडिया विजय 2024 का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में पटना रीजन के 30 स्कूलों की टीमों ने अपनी प्रतियोगिता दर्शन की। कार्यक्रम की शुरूआत एक बहुप्रीति कार्यक्रम के लिए एकत्र हुई। इस कार्यक्रम में प्रतियोगिता दर्शन की शुरूआत में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम की मेजबानी करने पर गर्व व्यक्त करने हुए डॉ आरक्ष झा, प्राचार्य डीपीराम रांची, नेटवर्क एवं संघर्षित करने के लिए एकत्र हुए। इसके अलावा, उन्होंने छात्रों से यह भी अग्रह किया कि वे हमेसा दूसरों की मदद के लिए एक कदम आगे बढ़ें और दूसरों को अपनी जड़ों से जुड़ने और अपने अधिकारों के प्रति गहरी सहानुभाव विकसित करने के लिए प्रतिरक्षित करते हैं।

महत्वपूर्ण खबरें

झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा की बैठक

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा की बैठक अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के कार्यालय में मंगलवार को नियंत्रण के संयोजक विकाल कथ्यपंथ की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मोर्चा ने नियंत्रण विकाल के लिए एक प्रारंभिक विकाल नेपाल के लिए एकत्र किया। सरकार द्वारा इसके प्रति गहरा विवाद था। बैठक में एक विकाल कथ्यपंथ की अधिकारी में 50 आरक्षण का प्रस्ताव तो बैठक द्वारा संदर्भ में कोई खास नियंत्रण नहीं लिया गया है। मोर्चा के सप्तरैक आलम ने कहा कि कुछ फज़ी संघर्षित करने वाली बैठक नियंत्रण की अधिकारी ने गुमराह कर वेवफैक बना कर रांची कर रही कर रही है। वे सोलाना पर विकाल करवायी करते हुए झारखंड आंदोलनकारियों के बच्चों को नारी में तक आरक्षण का प्रस्ताव दिया था। इस भूमत पर विवाद के बाद विकाल कथ्यपंथ की अधिकारी ने गुमराह कर रही कर रही है। इस बैठक में सुख्त रूप से विवाद कल

पीएम मोदी का संदेश

दिव्यांगजनों की सेवा और स्वाभिमान का अमृत दशक !



भाइयों और बहनों,

आज 3 दिसंबर का महत्वपूर्ण दिन है। पूरा विश्व इस दिन को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के रूप में मनाता है। आज का दिन दिव्यांगजनों के साहस, आत्मबल और अंतर्लभियों को नमन करने का विशेष अवसर होता है। भारत के लिए ये अवसर एक पवित्र दिन होता है।

उत्साही बलवानार्थ, नास्त्युस्त्याहात्पन्न बल है।

सोत्साहस्यास्ति लोकेऽस्मिन्, न किञ्चिदपि दुर्लभं।

धौक का मूल वही है कि जिस व्यक्ति के मन में उत्साह है, उसके लिए विश्व में कुछ भी असंभव नहीं है।

आज भारत में हमारे दिव्यांगजन इसी उत्साह से देश के सम्मान और स्वाभिमान की ओर जान रहे हैं। इस वर्ष वे दिन और भी विशेष हैं। इसी साल भारत के सम्बिधान में 75 वर्ष पूर्ण हुए हैं। भारत का सम्बिधान हमें समानता और अंत्योदय के लिए काम करने की प्रेरणा देता है। सम्बिधान की इसी प्रेरणा को लेकर बीते 10 वर्षों में हमने दिव्यांगजनों की उन्नति की मजबूत नींव रखी है। इन वर्षों में देश में दिव्यांगजनों के लिए अनेक नीतियां बनी हैं, अनेक नियम हुए हैं। ये नियंत्रण की ओर हमारी सरकार सर्वसंपर्श है, संवेदनशील है और सर्वविकासकारी है। इसी क्रम में आज का दिन दिव्यांग भाई-बहनों के प्रति हमारे इसी समर्पण भाव को फिर से दोहराने का दिन भी बना है। मैं जब से सर्वजनिक जीवन में हूं, मैंने हर मौके पर अपने के बाद मैंने इस सेवा को राष्ट्र का संकल्प बनाया। 2014 में सरकार बनने के बाद हमने सबसे पहले विकलांग शब्द के स्थान पर दिव्यांग शब्द को प्रचलित करने का फैसला लिया।

ये सिर्फ शब्द का परिवर्तन नहीं था, इसने समाज में दिव्यांगजनों की गरिमा भी बढ़ायी और उनके योगदान को भी बड़ी स्वीकृति दी। इस नियंत्रण ने ये संदेश दिया कि सरकार एक ऐसा समावेशी वातावरण चाहती है, जहां किसी व्यक्ति के समाने उसकी शारीरिक चुनौतियां दीवार ना बनें और उसकी प्रतिभा के अनुसार पूरे सम्मान के साथ राष्ट्र निर्माण का अवसर मिले।

धौक भाई-बहनों ने विभिन्न अवसरों पर मुझे इस नियंत्रण के लिए अपना आशीर्वाद दिया। ये आशीर्वाद ही, दिव्यांगजन के कल्याण के लिए मेरी सबसे बड़ी शक्ति बना।

हर वर्ष देश भर में हम दिव्यांग दिवस पर अनेक कार्यक्रम करते हैं।

मूझे आज भी याद है, 9 साल पहले हमने आज के ही दिन सुगम्य भारत अधियान का शुभार्थ किया था। 9 सालों में इस अधियान ने जिस तरह से दिव्यांगजनों को सशक्त किया, उससे मुझे बड़ा संतोष मिला है। 140 करोड़ देशवासियों की संकल्प-शक्ति से सुगम्य भारत ने ना सिर्फ दिव्यांगजनों को मार्ग से कई बाधाएं हटायीं, बल्कि उन्हें सम्मान और समृद्धि का जीवन भी दिया।

पहले हमने कोई सरकारों के समय जो नीतियां थीं...उनकी बजह से दिव्यांगजन संस्कारी चक्रविरयों और उच्च शिक्षा के अवसरों से पैठे रह जाते हैं। हमने वो स्थितियां बदलीं। आरक्षण की व्यवस्था को नया रूप मिला। 10 वर्षों में दिव्यांगजन के कल्याण के लिए खर्च होने वाली राशि को भी तीन गुना किया गया। इन नीतियों के लिए अवसरों और उन्नतियों के नए रास्ते बनाये। आज हमारे दिव्यांग साथी, भारत के नियंत्रण के समर्पित साथी बनकर हमें गौरवान्वित कर रहे हैं।

मैंने स्वयं वे महसूस किया है कि भारत के युवा दिव्यांग साथियों में कितनी अपार संभावनाएं हैं। पैलॉनीपक में हमारे खिलाड़ियों ने देश को जो समाज दिलाया है, वो इसी ऊर्जा का प्रतीक है। ये ऊर्जा राष्ट्र ऊर्जा बने, इसके लिए हमने दिव्यांग शक्ति को स्किल से जोड़ा है, ताकि उनकी ऊर्जा राष्ट्र की प्रतिक्रिया की सहायक बन सके। ये प्रशिक्षण सिर्फ सरकारी कार्यक्रम भर नहीं हैं। इन प्रशिक्षणों ने दिव्यांग साथियों का आमविश्वास बढ़ाया है। उन्हें रोजाना तलावने की आम शक्ति दी गई है।

मेरे दिव्यांग भाई-बहनों का जीवन सरल, सहज और स्वाभिमानी हो, सरकार का मूल सिद्धांत यही है। हमने Persons with Disabilities Act को भी इसी भाव से लागू किया। इस ऐंटहासिक कानून में Disability के Definition की केटेगरी को भी 7 से बढ़ाकर 21 किया गया। पहली बार हमारे ऐंटक संवार्द्धक भी इसमें शामिल किये गये। आज ये कानून दिव्यांगजनों के सशक्त जीवन का माध्यम बन रहा है। इन कानूनों ने दिव्यांगजनों के प्रति समाज की धारणा बदली है। आज हमारे दिव्यांग साथी भी विकसित भारत के नियंत्रण के लिए अपनी संरूप शक्ति के साथ काम कर रहे हैं।

भारत का दर्शन हमें यही सिखाता है कि समाज के हर व्यक्ति में एक विशेष प्रतिभा जलता है। हमें उसे बस समाने लाने की जरूरत है। मैंने हमेशा अपने दिव्यांग साथियों की उस अनुरूप प्रतिभा पर विश्वास किया है। और मैं पूरे गर्व से कहता हूं, कि हमारे दिव्यांग भाई-बहनों ने एक दशक में ऐसे इस विश्वास को और प्रगाढ़ किया है। मुझे यह देखकर भी गर्व होता है कि उनकी उपर्युक्तव्यों के संकल्पों को नया आकार दे रही है। आज जब पैलॉनीपक को मेडल से रोड़ा दी जाए है, ताकि उनकी ऊर्जा राष्ट्र की सहायक बन सके। ये प्रशिक्षण सिर्फ सरकारी कार्यक्रम भर नहीं हैं। इन प्रशिक्षणों ने दिव्यांग साथियों का आमविश्वास बढ़ाया है। उन्हें रोजाना तलावने की आम शक्ति दी गई है।

मेरे दिव्यांग भाई-बहनों का जीवन सरल, सहज और स्वाभिमानी हो, सरकार का मूल सिद्धांत यही है। हमने Persons with Disabilities Act को भी इसी भाव से लागू किया। इस ऐंटहासिक कानून में Disability के Definition की केटेगरी को भी 7 से बढ़ाकर 21 किया गया। पहली बार हमारे ऐंटक संवार्द्धक भी इसमें शामिल किये गये। आज ये कानून दिव्यांगजनों के सशक्त जीवन का माध्यम बन रहा है। इन कानूनों ने दिव्यांगजनों के प्रति समाज की धारणा बदली है। आज हमारे दिव्यांग साथी, भारत के नियंत्रण के समर्पित साथी बनकर हमें गौरवान्वित कर रहे हैं।

भारत का दर्शन हमें यही सिखाता है कि समाज के हर व्यक्ति में एक विशेष प्रतिभा जलता है। हमें उसे बस समाने लाने की जरूरत है। मैंने हमेशा अपने दिव्यांग साथियों की उस अनुरूप प्रतिभा पर विश्वास किया है। और मैं पूरे गर्व से कहता हूं, कि हमारे दिव्यांग भाई-बहनों ने एक दशक में ऐसे इस विश्वास को और प्रगाढ़ किया है। मुझे यह देखकर भी गर्व होता है कि उनकी उपर्युक्तव्यों को संकल्पों को नया आकार दे रही है।

आज, हम सब एक ऐसे गोपनीय कानून की नियंत्रण करें, जो कोई भी सपना और लक्ष्य असंभव ना हो। तभी जाकर घर सही मायने में एक समावेशी और विकसित भारत का नियंत्रण कर पायेंगे। और निश्चित तौर पर मैं ऐसे दिव्यांग भाई-बहनों की बहुत बड़ी भूमिका देखता हूं। पुनः सभी दिव्यांग साथियों को आज के दिन की शुभकामनाएं।

आजः हम सब एक ऐसे गोपनीय कानून की नियंत्रण करें, जो कोई भी सपना और लक्ष्य असंभव ना हो। तभी जाकर घर सही मायने में एक समावेशी और विकसित भारत का नियंत्रण कर पायेंगे। और निश्चित तौर पर मैं ऐसे दिव्यांग भाई-बहनों की बहुत बड़ी भूमिका देखता हूं। पुनः सभी दिव्यांग साथियों को आज के दिन की शुभकामनाएं।

खेल मनोविज्ञान में एमए के लिए नामांकन शुरू

रांची (आजाद सिपाही)। खेल मनोविज्ञान के क्षेत्र में कैरियर के इच्छुक विद्यार्थियों लिए डॉ. श्याम प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची के स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग के अंतर्गत खेल मनोविज्ञान में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू किया जाना है। दो वर्षीय इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के उपरांत विद्यार्थी खेल मनोविज्ञानिक के रूप में स्कूल, कालेजों और भारतीय खेल प्रधिकरण जैसे संगठनों में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही उपरोक्त पाठ्यक्रम की समाप्ति के बाद विद्यार्थी शिक्षक और स्वनियोजित सलाहकार के इच्छुक विद्यार्थियों लिए भी एक संकाय नियंत्रित होता है।

उपरोक्त पाठ्यक्रम में नामांकन के लिए मनोविज्ञान विभाग की विभागाधीक्षक और भारतीय खेल प्रधिकरण जैसे संगठनों में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। उपरोक्त पाठ्यक्रम में नामांकन के लिए मनोविज्ञान विभाग की विभागाधीक्षक और भारतीय खेल प्रधिकरण जैसे संगठनों में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

उपरोक्त पाठ्यक्रम में नामांकन के लिए मनोविज्ञान विभाग की विभागाधीक्षक और भारतीय खेल प्रधिकरण जैसे संगठनों में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

सीएम हेमंत सोरेन से मिला पुलिस सर्विस एसोसिएशन का शिष्टमंडल



शारखंड पुलिस सर्विस एसोसिएशन के शिष्टमंडल ने मंगलवार को प्रोजेक्ट भवन में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की और उन्हें बधाई दी। साथ ही अपनी समस्याओं से भी सीएम को अवगत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भी उनकी समस्याओं के नियाकरण का आश्वासन दिया।

परमवीर चक्र विजेता अल्बर्ट एक्का की देशभक्ति को नमन है : भाजपा



देश-विदेश / ओडिशा

नेशनल इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी कॉन्फ्रेंस सम्मिलकान का उद्घाटन

सम हॉस्पिटल ने देश-विदेश में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में नया अध्याय रखा है : स्वास्थ्य मंत्री

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। स्वास्थ्य मंत्री डॉ मुकेश महालिंग ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान सोसा द्वारा संचालित इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज और सम अट्लेमेट मेडिकेशर (सम्पम) ने देश के साथ-साथ विदेशों में भी नये अध्याय स्थापित किया हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने यह बात सम्मम द्वारा आयोजित नेशनल इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी कॉन्फ्रेंस सम्मिलकान के उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लेते हुए कही।

सम्मम द्वारा इस प्रकार का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक जरूरी बनाने के उद्देश से अग्रें वित्तीय वर्ष में आयुष्मान भारत योजना और गोपनीय जन स्वास्थ्य योजना को मिलाकर राज्य के साथ तीन कोडों लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य कार्यशाला पर खुशी व्यक्त की। प्रो नायक ने कहा कि यह पहली बार है, जब सम्मम में इंटरवेंशनल लोग देश के 27,000 अस्पतालों



में मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं पा सकते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सर्वोच्च कैसर का शीर्ष पता लाने के संदर्भ में किशोरों के टीकाकरण के लिए एक बड़ा कार्यक्रम शुरू करेगी। उन्होंने स्कूलों और कालिंगों में टीका उपलब्ध कराने की है।

सोआ के संस्थापक अध्यक्ष प्रो (डॉ) मोजरंजन नायक ने सम्मम में आयोजित इस राष्ट्रीय कार्यशाला पर खुशी व्यक्त की। प्रो नायक ने कहा कि यह पहली बार है, जब सम्मम में इंटरवेंशनल लोग देश की 27,000 अस्पतालों

का आयोजन किया जा रहा है और यह आधुनिक चिकित्सा के क्षेत्र में बहुत मददार होगी।

इस मौके पर डॉ महालिंग ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से कल्पना के संदर्भ में किशोरों के टीकाकरण के लिए एक बड़ा कार्यक्रम शुरू करेगी। उन्होंने स्कूलों और कालिंगों में टीका उपलब्ध कराने की है।

राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है और यह आधुनिक चिकित्सा के क्षेत्र में बहुत मददार होगी। इस मौके पर सम्मम के सीओओ डॉ श्वेतपद्मा दास ने कहा कि सरकार की योजना स्कूलों और कालिंगों में टीका उपलब्ध कराने की है।

।

आजाद सिपाही संवाददाता भुवनेश्वर। हिंदी फिल्मों और धारावाहिकों की लोकप्रिय निमाता और निर्देशन एकता कपूर ने मुख्यमंत्री मोहन चाही से मुख्यमंत्री शुल्क हटा दिया था। संसदीय कार्यपाल मुकेश महालिंग ने सदन में यह जानकारी दी। हिंदी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट एक सच्ची कहानी पर आधारित है, जो 27 फरवरी 2002 को गोधारा रेल अपिनिकॉड पर आधारित है। अंडिशा के लोगों की भावानाओं में रखते हुए मुख्यमंत्री मोहन चाही के आदेश से फिल्म को राज्य में कर से छूट दी गयी है।



हुए कुछ समय बिताया। वहां से सीधे राजभवन के लिए रवाना हुए। रात्रि विश्राम राष्ट्रपति भुवनेश्वर बीजु पटनायक व्हाईअड्डे से सीधे चंद्रशेखर नीलामी बिहार पहुंचे और वहां पड़ित रघुनाथ मुर्मु की प्रतिमा का अनावरण किया। श्रीमती मुर्मु ने वहां पार्क में टहलते

हुए कुछ समय बिताया। वहां से सीधे राजभवन के लिए रवाना हुए। रात्रि विश्राम राष्ट्रपति भुवनेश्वर बीजु पटनायक व्हाईअड्डे से सीधे चंद्रशेखर नीलामी बिहार पहुंचे और वहां पड़ित रघुनाथ मुर्मु की प्रतिमा का अनावरण किया। श्रीमती मुर्मु ने वहां पार्क में टहलते

हुए कुछ समय बिताया। वहां से सीधे राजभवन के लिए रवाना हुए। रात्रि विश्राम राष्ट्रपति भुवनेश्वर बीजु पटनायक व्हाईअड्डे से सीधे चंद्रशेखर नीलामी बिहार पहुंचे और वहां पड़ित रघुनाथ मुर्मु की प्रतिमा का अनावरण किया। श्रीमती मुर्मु ने वहां पार्क में टहलते

जशपुरिया बीएड कॉलेज के डीएलएड बैच 2022-24 का शानदार प्रदर्शन, 96% रिजल्ट

आजाद सिपाही संवाददाता



भिसा, रांची। जशपुरिया बीएड कॉलेज के डीएलएड बैच 2022-24 ने अपनी उत्कृष्टता पर चमक लहराते हुए 96% प्रतिशत परिणाम हासिल किया। इस सफलता ने कॉलेज का मान बढ़ाया और इसे शिक्षा क्षेत्र में एक नयी ऊर्जाएँ प्रदान किया है। कॉलेज टॉपर्स राहुल रोशन ने 84% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया, द्वितीय स्थान पर अमूल कुमार ने 83% अंक प्राप्त किया। लिली नागद्वार ने 82.5% अंकों के साथ तृतीय

अनिल कुमार मिश्रा ने कहा कि जशपुरिया बीएड कॉलेज के अंदर एक अचूक सफलता का नमूना है। इसकी विशेषता यह है कि यह एक विश्वविद्यालय का एक अंक विशेषज्ञ कॉलेज है। इसकी शिक्षा की उत्कृष्टता और विद्युतित विद्यार्थी की उत्कृष्टता इसकी सफलता का मुख्य कारण है।

जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल में मैत्री फुटबॉल मैच का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

गंगी। नामकूम स्थित जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल में एवं दीपशिखा स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय मनोरंजक मैत्री फुटबॉल मैच का आयोजन नामकूम रोड स्थित जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल में खेला गया। इस अवसर पर दोनों स्कूलों के बच्चों ने बड़े उत्साह से

मैच खेला। टीम भावना मैदान में बच्चों के उत्साह वर्धन के लिए खेल के मैदान में स्कूल के प्रचारां डॉ सुनील कुमार, दीपशिखा स्कूल के एस्मेक्सिव डायेक्टर सुधा लीला, प्रेसिडेंट मंजू गुप्ता, प्राचार्य गोपिका आनंद संयुक्त उपस्थित रहे। दर्शन दीर्घां में बैठकर स्कूल के सारे बच्चों ने फुटबॉल मैच का आनंद लिया और खिलाड़ियों का मनोबल भी बहुत बरीकीयों से सद्दा ही

लिया। बच्चों के उत्साह के लिए खेल के मैदान में स्कूल के प्रचारां डॉ सुनील कुमार, दीपशिखा स्कूल के एस्मेक्सिव डायेक्टर सुधा लीला, प्रेसिडेंट मंजू गुप्ता, प्राचार्य गोपिका आनंद संयुक्त उपस्थित रहे। दर्शन दीर्घां में बैठकर स्कूल के सारे बच्चों ने फुटबॉल मैच का आनंद लिया और खिलाड़ियों का मनोबल भी बहुत बरीकीयों से सद्दा ही

लिया। बच्चों के उत्साह के लिए खेल के मैदान में स्कूल के प्रचारां डॉ सुनील कुमार, दीपशिखा स्कूल के एस्मेक्सिव डायेक्टर सुधा लीला, प्रेसिडेंट मंजू गुप्ता, प्राचार्य गोपिका आनंद संयुक्त उपस्थित रहे। दर्शन दीर्घां में बैठकर स्कूल के सारे बच्चों ने फुटबॉल मैच का आनंद लिया और खिलाड़ियों का मनोबल भी बहुत बरीकीयों से सद्दा ही

लिया। बच्चों के उत्साह के लिए खेल के मैदान में स्कूल के प्रचारां डॉ सुनील कुमार, दीपशिखा स्कूल के एस्मेक्सिव डायेक्टर सुधा लीला, प्रेसिडेंट मंजू गुप्ता, प्राचार्य गोपिका आनंद संयुक्त उपस्थित रहे। दर्शन दीर्घां में बैठकर स्कूल के सारे बच्चों ने फुटबॉल मैच का आनंद लिया और खिलाड़ियों का मनोबल भी बहुत बरीकीयों से सद्दा ही

लिया। बच्चों के उत्साह के लिए खेल के मैदान में स्कूल के प्रचारां डॉ सुनील कुमार, दीपशिखा स्कूल के एस्मेक्सिव डायेक्टर सुधा लीला, प्रेसिडेंट मंजू गुप्ता, प्राचार्य गोपिका आनंद संयुक्त उपस्थित रहे। दर्शन दीर्घां में बैठकर स्कूल के सारे बच्चों ने फुटबॉल मैच का आनंद लिया और खिलाड़ियों का मनोबल भी बहुत बरीकीयों से सद्दा ही

लिया। बच्चों के उत्साह के लिए खेल के मैदान में स्कूल के प्रचारां डॉ सुनील कुमार, दीपशिखा स्कूल के एस्मेक्सिव डायेक्टर सुधा लीला, प्रेसिडेंट मंजू गुप्ता, प्राचार्य गोपिका आनंद संयुक्त उपस्थित रहे। दर्शन दीर्घां में बैठकर स्कूल के सारे बच्चों ने फुटबॉल मैच का आनंद लिया और खिलाड़ियों का मनोबल भी बहुत बरीकीयों से सद्दा ही

लिया। बच्चों के उत्साह के लिए खेल के मैदान में स्कूल के प्रचारां डॉ सुनील कुमार, दीपशिखा स्कूल के एस्मेक्सिव डायेक्टर सुधा लीला, प्रेसिडेंट मंजू गुप्ता, प्राचार्य गोपिका आनंद संयुक्त उपस्थित रहे। दर्शन दीर्घां में बैठकर स्कूल के सारे बच्चों ने फुटबॉल मैच का आनंद लिया और खिलाड़ियों का मनोबल भी बहुत बरीकीयों से सद्दा ही

लिया। बच्चों के उत्साह के लिए खेल के मैदान में स्कूल के प्रचारां डॉ सुनील कुमार, दीपशिखा स्कूल के एस्मेक्सिव डायेक्टर सुधा लीला, प्रेसिडेंट मंजू गुप्ता, प्राचार्य गोपिका आनंद संयुक्त उपस्थित रहे। दर्शन दीर्घां में बैठकर स्कूल के सारे बच्चों ने फुटबॉल मैच का आनंद लिया और खिलाड़ियों का मनोबल भी बहुत बरीकीयों से सद्दा ही

लिया। बच्चों के उत्साह के लिए खेल के मैदान में स्कूल के प्रचारां डॉ सुनील कुमार, दीपशिखा स्कूल के एस्मेक्सिव डायेक्टर सुधा लीला, प्रेसिडेंट मंजू गुप्ता, प्राचार्य गोपिका आनंद संयुक्त उपस्थित रहे। दर्शन दीर्घां में बैठकर स्कूल के सारे बच्चों ने